रजिस्ट्री सं. डी. (डी.)-72

REGISTERED No. D. (D.)72

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY GOVT. OF INDIA

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 26, 1980/माघ 6, 1901

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1980/MAGHA 6, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1980

सं० 21021/7/79-प्रशा०-III-क.—राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1980 के अवसर पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के निम्नलिखित प्रत्येक अधिकारी को, अपनी जान को भी जोखिम में डालकर की गयी असाधारण प्रशंसनीय सेवा के लिये, प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं :

अधिकारी का नाम और ओहदा—

1. श्री कुलदीप सिंह, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक (सामान्य ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, चंडीगढ़।

2. श्री अमर नाथ, सिपाही, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, चंडीगढ़।

3. श्री शमीर सिंह, सिपाही, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, चंडीगढ़।

जिन सेवाओं के लिये प्रमाण-पत्र दिये गये हैं, उनका विवरण—

श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक, श्री अमर नाथ और श्री शमीर सिंह, सिपाही, 15 जनवरी, 1979 को अमृतसर के नजदीक भारत-पाक सीमा पर 11.5 लाख रुपये के भारतीय करंसी नोटों को पकड़ने के मामले में कार्यरत थे। इस मामले में न केवल करेंसी नोट ही पकड़े गये बल्कि उस क्षेत्र में कार्यरत एक कुख्यात तस्कर और आतंतायी कश्मीर सिंह उर्फ कश्मीरा को भी जो उन इलाके में आतंक बना हुआ था, पकड़ लिया गया।

श्री कुलदीप सिंह, श्री अमर नाथ और श्री शमीर सिंह ने इस सारी कार्यवाही में एक अविस्मरणीय भूमिका निभायी। यह सूचना प्राप्त होने पर, कि 15 जनवरी, 79 की रात को कश्मीर सिंह द्वारा बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय करंसी चोरी-छिपे पाकिस्तान ले जायी जायगी, एक निवारक दल ने, जिसमें श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक और श्री अमर नाथ तथा श्री शमीर सिंह सिपाही शामिल थे, अमृतसर छेहार्टा-केसल-सराय अमानत खां सीमा मार्ग पर खापर खेड़ी चौराहे के नजदीक नाके बन्दी की। उसी दिन लगभग 20.30 बजे, नाके बंदी वाली जगह की ओर एक कार देखी गई, परन्तु एकाएक वह वापस मुड़ी। निवारक दल ने सरकारी जीप पर उस कार का पीछा किया। परन्तु यह देख लिया गया कि उस कार में से दो व्यक्ति निकलकर अपने साथ कोई चीज लिये साथ वाले मैदान की ओर अन्धेरे में भाग रहे हैं। कार चूंकि तेज गति के साथ दूर होती जा रही थी, इसलिये निवारक दल के अधीक्षक ने पीछे मुड़ने और उन दोनों व्यक्तियों को, निषिद्ध माल के साथ, गिरफ्तार करने का फैसला किया। तदनुसार उनके आदेशानुसार, श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक तथा श्री अमर नाथ और श्री शमीर सिंह सिपाही अन्य व्यक्तियों के साथ तत्काल जीप से बाहर कूद पड़े और उस सर्द, अन्धेरी तथा कोहरे से भरपूर रात में तस्करों का पीछा करने के लिये दौड़ने लगे। दुर्गम क्षेत्र और बादलों से घिरी उस सर्द रात के बावजूद, श्री कुलदीप सिंह, कश्मीर सिंह पर जो अपने साथ निषिद्ध माल लिये था, टूट पड़े। गोली चलने की आवाज सुन कर सीमा-शुल्क

अधिक्षक ने जो निवारक दल के इंचार्ज थे, यह देख कर कि श्री कुलदीप सिंह की जान खतरे में है, श्री शमीर सिंह सिपाही को जवाब में गोली चलाने का आदेश दिया । इस पर कश्मीर सिंह और उसके साथी ने विपरीत दिशाओं में भागना शुरू कर दिया । श्री कुलदीप सिंह, और उसके बाद एक अन्य निरीक्षक ने कश्मीर सिंह का पीछा करना जारी रखा, जबकि श्री विजय बहादुर सिंह, निरीक्षक और श्री शमीर सिंह, सिपाही, कश्मीर सिंह के दूसरे साथी का पीछा करते रहे । श्री कुलदीप सिंह कश्मीर सिंह की पीठ पर कूद पड़े, जिससे वह, बसालियों में पैक की हुई भारतीय करंसी सहित गिर पड़ा । इस हाथापाई में कश्मीर सिंह हिंसक हो उठा और उसने श्री कुलदीप सिंह पर काबू पाने की कोशिश की । श्री ज्ञान सिंह, निरीक्षक जो उस समय तक उनके समीप पहुंच गये थे, मदद के लिये चिल्लाये । यह सुनकर, श्री अमर नाथ और श्री शमीर सिंह , सिपाही पार्टी के कुछ अन्य सदस्यों के साथ, तुरन्त घटनास्थल की ओर भागे । अपनी वृद्धावस्था और कमजोर शरीर के बावजूद श्री अमर नाथ उस स्थल पर पहुंच गये जहां श्री कुलदीप सिंह कश्मीर सिंह के साथ हाथापाई में उलझे हुए थे । वह बसालियों के ऊपर गिर पड़े जिनमें भारतीय करंसी भरी हुई थी और उन्हें अपने पेट के नीचे दबा लिया । उन्हें छीनने के एक निराशापूर्ण प्रयास के रूप में कश्मीर सिंह श्री अमर नाथ को बुरी तरह से ठोकरें मारता रहा और पीटता रहा । परन्तु अपने जीवन और शारीरिक चोटों की परवाह नहीं करते हुए, श्री अमर नाथ ने बसालियों को दबोचे रखा और उन्हें हाथ से जाने नहीं दिया ।

श्री शमीर सिंह, सिपाही, एक सरकारी बन्दूक लिये हुए थे और इसलिये वह तेज नहीं दौड़ सकते थे परन्तु फिर भी वह अपनी बन्दूक पकड़े हुए तस्करों की ओर लपके । आत्मरक्षा में गोली चलाने के आदेश का समय पर पालन करके उसने तस्करों को और गोली चलाने से रोक दिया । फिसल कर गड्ढे में गिरने तथा कपड़े कीचड़ में लथ-पथ हो जाने के बावजूद, उसने कश्मीर सिंह के साथी का पीछा किया । परन्तु, ज्यों ही उसने दूसरी ओर से सहायता के लिये चिल्लाहट सुनी, वह श्री कुलदीप सिंह , निरीक्षक तथा अन्य व्यक्तियों की रक्षा हेतु भागा और कुछ ही सैकन्डों में वह कश्मीर सिंह पर टूट पड़ा । कश्मीर सिंह ने जब श्री शमीर सिंह को अपने ऊपर हमला करते देखा तो उसने उसकी राइफल्स छीनने की कोशिश की । परन्तु श्री शमीर सिंह ने सफलता पूर्वक इसका मुकाबला किया और कश्मीर सिंह पर काबू पाने तथा 11.5 लाख रुपये मूल्य की भारतीय करंसी छीनने में अपने साथियों की मदद की ।

इस प्रकार, श्री कुलदीप सिंह, श्री अमर नाथ और श्री शमीर सिंह ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए भी जो साहसिक कार्य किया उसके परिणामस्वरूप कुख्यात आतंकवादी और तस्कर कश्मीर सिंह को, जो उस इलाके में एक आतंक बना हुआ था, गिरफ्तार किया जा सका और 11.5 लाख रुपये की भारतीय करंसी भी पकड़ी गई ।

2. ये पुरस्कार, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने संबंधी समय-समय पर यथा संशोधित उस योजना के पैरा 1 के खण्ड (क) (i) के अन्तर्गत दिये जाते हैं, जो भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 1 में अधिसूचना सं० 12/139/59-प्रशा०-III, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th January, 1980

No. 21021/7/79-Ad. IIIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1980, to award an Appreciation Certificate to each of the under-mentioned officers of the Central Excise Department for exceptionally meritorious service rendered by them when undertaking a task even at the risk of their lives :

Names of the Officers and rank

1. Shri Kulldip Singh, Inspector of Central Excise (Ordinary Grade), Collectorate of Central Excise, Chandigarh.
2. Shri Amar Nath, Sepoy, Collectorate of Central Excise, Chandigarh.
3. Shri Shamir Singh, Sepoy, Collectorate of Central Excise, Chandigarh.

Statement of services for which the certificates have been awarded.—S/Shri Kuldip Singh, Inspector, Amar Nath and Shamir Singh, Sepoys were involved in the case of seizure of Indian currency notes amounting to Rupees 11.5 lakhs on the Indo-Pak border near Amritsar on 15-1-79. In this case not only the currency notes were seized but Kashmir Singh alias Kashmira, a notorious smuggler and desperado operating on that area who was terror in the area, was also captured. S/Shri Kuldip Singh, Amar Nath and Shamir Singh played a memorable role in the whole operation. On receipt of information that a large quantity of Indian currency was to be smuggled out to Pakistan on the night of 15-1-79 by Kashmir Singh, a preventive party which included Shri Kuldip Singh, Inspector & S/Shri Amar Nath & Shamir Singh, Sepoys laid Naka near Khapar Kheri crossing on Amritsar Chheharta-Kasel-Sarai Amanat Khan Border Road. At about 20.30 hours on the same day, a Car was spotted heading towards the Naka point, but all of a sudden the car turned back. The preventive party pursued the car on Government Jeep. It was however noticed that two persons had slipped out of the car and were running towards the adjoining field in darkness carrying something with them. As the car was speeding away, the Superintendent of the party decided to turn back and concentrate on capture of the two persons alongwith contraband. Accordingly, on his orders, S/Shri Kuldip Singh, Inspector and Amar Nath and Shamir Singh, Sepoys alongwith others immediately jumped out of the vehicle and ran fast to follow the fleeing smugglers in a cold, dark and misty night. Despite inhospitable terrain and cloudy winter night, Shri Kuldip Singh rushed upon Kashmir Singh who was carrying contraband goods with him. On hearing the sound of bullet shot, the Superintendent of Custom who was the incharge of the preventive party thought that the life of Shri Kuldip Singh was in danger and therefore ordered Shri Shamir Singh, Sepoy to fire back. On this Kashmir Singh and his companion began to run in opposite directions. Shri Kuldip Singh followed by another Inspector continued chasing Kashmir Singh while S/Shri Vijay Bahadur Singh, Inspector and Shamir Singh, Sepoy chased the companion of Kashmir Singh. Shri Kuldip Singh jumped upon the back of the Kashmir Singh who fell down with Indian currency packed in vasalies. Kashmir Singh became violent in the scuffled and tried to overpower Shri Kuldip Singh. Shri Gian Singh, Inspecor who by that time had reached near them shouted for help. Hearing this S/Shri Amar Nath and Shamir Singh, Sepoys alongwith some other members of the party rushed towards the spot of incident. Shri Amar Nath in spite of his old age and poor physique reached the spot where Shri Kuldjp Singh was engaged in scuffle with Kashmir Singh. He fell upon the vasalies containing Indian currency and took them under his belly Kashmir Singh in a desperate bid to snatch away the vasalies went on violently kicking and hitting Shri Amar Nath. But not caring for his life and physical injuries Shri Amar Nath held on to the vasalies and did not let it go.

Shri Shamir Singh, Sepoy carried a service rifle and as such could not run fast but he dashed towards the smugglers holding his rifle. By timely obeying the orders for firing in self defence, he deterred the smugglers from further firing. Despite having been slipped and fallen in pit and his clothes drenched in mud he chased the accomplice of Kashmir Singh. But as soon as he heard loud cries for help from the other side, he rushed to the rescue of Shri Kuldip Singh, Inspector and others and within seconds pounced upon Kashmir Singh. Kashmir Singh, when he saw Shri Shamir Singh attacking on him, tried to snatch away his rifle. But Shri Shamir Singh successfully resisted this and helped his colleagues in over-powering Kashmir Singh and recovering Indian currency worth Rupees 11.5 lakhs.

Thus, the daring act performed properly by S/Shri Kuldip Singh, Amar Nath and Shamir Singh even at the risk of their lives, resulted in apprehending the notorious desperado and smuggler, Kashmir Singh who was a terror in that region and also seizure of Indian currency amounting to Rupees 11.5 lakhs.

2. These awards are made under clause (a)(i) of Para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary vide Notification No. 12/139/59-Ad.IIIB dated the 5th November, 1962 as amended from time to time.

सं०ए० 21021/7/79-प्रशा०-III ख.—राष्ट्रपति जी, गणतन्त्र दिवस 1980 के अवसर पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमाशुल्क विभागों के निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक को उसकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिये प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं :—

1. श्री श्रीपद बालकृष्ण पाटिल,
   सहायक सीमाशुल्क समाहर्ता,
   सीमाशुल्क समाहर्तालय (निवारक), बम्बई ।
2. श्री बी० जी० एन० अय्यंगर,
   अप्रेजर,
   सीमाशुल्क गृह, बम्बई ।
3. श्री आर० डी० बंगाली,
   सीमाशुल्क अधीक्षक,
   सीमाशुल्क गृह, बम्बई ।
4. श्री प्रभाकर गोपाल करंजेकर,
   केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक (वरिष्ठ ग्रेड),
   सीमाशुल्क समाहर्तालय (निवारक), बम्बई ।
5. श्री डी० शिवनन्दम्,
   निवारक अधिकारी (सामान्य ग्रेड),
   सीमाशुल्क गृह, मद्रास ।
6. श्री ए० ए० राजा साहेब शेख,
   ड्राइवर (वरिष्ठ ग्रेड),
   सीमाशुल्क समाहर्तालय (निवारक), बम्बई ।

2. ये पुरस्कार सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने संबंधी, समय-समय पर यथा संशोधित उस योजना के पैरा 1 के खण्ड (क) (ii) के अन्तर्गत दिये जाते हैं, जो भारत के राजपत्र असाधारण के भाग 1, खण्ड 1 में, अधिसूचना सं० 12/139/59-प्रशा०-III-ख, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गयी थी ।

आर०सी० मिश्र, अवर सचिव

No. A. 21021/7/79-Ad.IIIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1980, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the under-mentioned officers of the Central Excise and Customs Departments—

1. Shri Shripad Balkrishna Patil, Assistant Collector of Customs, Collectorate of Customs (Preventive), Bombay.
2. Shri B. G. N. Iyenger, Appraiser, Custom House, Bombay.
3. Shri R. D. Bengalee, Superintendent of Customs, Custom House, Bombay.
4. Shri Prabhakar Gopal Karanjekar, Inspector (Senior Grade) of Central Excise, Collectorate of Customs (Preventive), Bombay.
5. Shri D. Sivanandam, Preventive Officer (Ordinary Grade), Custom House, Madras.
6. Shri A.A. Raja Saheb Shaikh, Driver (Senior Grade), Collectorate of Customs (Preventive), Bombay.

2. These awards are made under clause (a) (ii) of Para 1 of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments, published in Part I, Section 1, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad.IIIB dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

R. C. MISRA, Addl. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1980